

बाबा प्रेम की होली है श्याम संग खेलूं होली भजन लिरिक्स



बाबा प्रेम की होली है,
श्याम संग खेलूं होली,
उन्हें रंग जो लगाना है।bd।

ऐसा रंग लगाऊँ मैं,
जो ना छूटे जीवन में,
प्रेम की डोरी बाँध कर,
उसे बसा लूँगा मन में,
उस खाटू वाले का,
उस लीले वाले का,
मेरा दिल तो क्या,
सारा जग ये दीवाना है।bd।

ब्रज की होली देखि,
हमने बाबा सौ सौ बार,
इस बरस होली खेले,
हम तेरे संग सरकार
अपनों को छोड़ा है,
सारी दुनिया छोड़ी है,
अब तो मेरा मन कहे,
बस खाटू जाना है।bd।

सबकी होली रंग भरी,
ये बाबा कर देता है,
जो भी इसके रंग रंगे,
ये साथ हमेशा देता है,
'पुष्पेंद्र' प्रभु है तेरा,
'रागी' है श्याम तेरी,
तेरी रहमतों से बाबा,
अनमोल खज़ाना है।bd।

बाबा प्रेम की होली है,
श्याम संग खेलूं होली,
उन्हें रंग जो लगाना है।bd।
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

